Reduction in interest rate in small saving schemes affecting poor and senior citizens

श्री विवेक गुप्ता (पश्चिमी बंगाल): सर, इस साल 30 मार्च के आसपास विक्रमी संवत बदला था और हिन्दू नव वर्ष की शुरूआत हुई थी। नव वर्ष पर लोगों को तोहफा मिलता है, बधाई मिलती है, मगर इस सरकार ने नव वर्ष पर जो तोहफा दिया है, वह हम लोगों को स्वीकार्य नहीं है।

सर, सीनियर सिटिज़ंस, छोटी लड़कियों, बाल कन्याओं इन सबके लिए सेविंग्स इंटरेस्ट रेट को घटा दिया गया है। सर, मैं कुछ उदाहरण देना चाहता हूं। किसान विकास पत्र पर 8.7 परसेंट इंटरेस्ट था, जिसे घटाकर 7.8 परसेंट कर दिया गया। Monthly Income Scheme में 8.4 परसेंट रेट को घटाकर 7.8 परसेंट कर दिया गया है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी बातें बोलने वाली इस सरकार ने सुकन्या समृद्धि योजना पर इंटरेस्ट रेट को 9.3 परसेंट से घटाकर 8.6 परसेंट कर दिया है।

सर, मैं आपके माध्यम से इस सरकार से पूछना चाहता हूं, क्या महंगाई खत्म हो गई है? क्या चीजों के दाम गिरने लग गए हैं? सर, जो गरीबों के लिए इन्कम का माध्यम था, जिनकी आजीविका इंटरेस्ट के पैसों से चलती थी, उस इंटरेस्ट को आपने कम क्यों कर दिया है? इससे उनको जो तकलीफ पहुंची है, उसका खामियाजा आप कैसे भरेंगे? हमें इसका कोई रास्ता या कोई उपाय बता दीजिए।

सर, हर महीने सीनियर सिटिज़ंस को इंटरेस्ट के रूप में जो इन्कम मिलती है, उसी से वे अपने पूरे महीने के सारे खर्चे करते हैं। एक तरफ सब्जी, दूध इत्यादि सब चीजों के दाम बढ़ते जा रहे हैं, दूसरी तरफ आप उनकी आमदनी कम करते जा रहे हैं। इसे डबल मार नहीं कहेंगे, तो क्या कहेंगे? सर, मुझे इस पर एक शेर याद आ रहा है —

"एक तरफ महंगाई मार गई
दूसरी तरफ खुदाई मार गई।"

सर, मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से दोबारा रिक्वेस्ट करना चाहूंगा कि वे इतने कड़े कदम न उठाएं। इंटरेस्ट रेट्स कम होने से गरीब लोगों को, सीनियर सिटिज़ंस को और हाउस वाइव्स को जो दिक्कतें आ रही हैं, उसको आप कैसे कम्पंसेट करेंगे? आप कैसे उनकी तकलीफों को दूर करेंगे, इसके बारे में सोच लीजिए।

सर, यहां दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में कुछ बाबू लोग बैठकर यह फैसला कर लेते हैं, मगर इसका असर हिन्दुस्तान की बहुत बड़ी आबादी पर पड़ रहा है। आपको उनकी आवाज का अहसास चुनाव के टाइम पर पता चलेगा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी।

सर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार इस पर पुनर्विचार करे, और जल्द से जल्द इस पर कार्यवाही करे और इन्होंने जो इंटरेस्ट रेट घटाया है, इसको वापस रिस्टोर करे।

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): सर, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री रामचंद्र प्रसाद सिंह (बिहार): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती वंदना चव्हाण (महाराष्ट्र): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्रीमती कनक लता सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्रीमती झरना दास वैद्य (त्रिपुरा): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री गुलाम रसूल बलियावी (बिहार): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

† **جناب غلام رسول بلیاوی(بہار):** سر، میں بھی مانیئے سنسیے کے وکتویے سے خود کو سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री सन्तियुस कुजूर (असम): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री नरेंद्र कुमार स्वैन (ओडिशा): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती सरोजिनी हेम्बम (ओडिशा): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

Concern over supply of fake and adulterated fitness and food supplements in market

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मिलावट इस समाज के और देश के लिए इतना बड़ा अभिशाप हो गया है कि आज यही नहीं पता चलता कि खाने वाली कौन-सी सामग्री हमें सही मिल रही है और कौन सी गलत मिल रही है।

श्रीमन्, हाल ही में लोक सभा में हर्षवर्धन जी जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में दूध की जितनी भी सैम्पलिंग की गई, उसमें से 68 परसेंट सैम्पलिंग फेल हुई। इसका मतलब कि दिल्ली में 68 परसेंट नकली दूध बिक रहा है, जो हमारी राजधानी है, तो देश में कितना बिक रहा होगा? मैं अभी दो-तीन दिन पहले एक चैनल पर देख रहा था कि एक नकली दूध बनाने वाला उस चैनल पर बिना किसी भय के खुलेआम दिखा रहा था कि हम कैसे नकली दूध बनाते हैं, 100 लीटर दूध रोज बनाकर बेच लेते हैं और यह हमारी आमदनी का जरिया है। एसोचेम की रिपोर्ट में आया है कि देश में जो 70 परसेंट खाद्य पदार्थ मिल रहे हैं, वे मिलावटी हैं। हालत तो

† Transliteration in Urdu script.